http://www.rtuonline.com

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र–हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

Time Allowed : Three Hours **Maximum marks : 100**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी भाषा का भाषा–वैज्ञानिक परिचय दीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

ब्रज और अवधी के अन्तर को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य के उन्नयन में ब्रजभाषा के योगदान को रेखांकित कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

2. राजस्थानी भाषा का परिचय देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

राजस्थानी बोलियों–उपबोलियों का वर्गीकरण करते हुए 'डिंगल' का परिचय दीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

3. आदिकाल की विविध काव्य–धाराओं पर प्रकाश डालिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

"भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है।' कथन की समीक्षा कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

4. "रीतिकाल की काव्य–प्रवृत्तियों पर युग–परिस्थितियों का व्यापक प्रभाव परिलक्षित होता है।' स्पष्ट कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

हिन्दी साहित्य में रीतिकालीन साहित्य के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

5. निम्नांकित पर टिप्पणियाँ लिखिये :
   (1) नवजागरण और भारतेन्दु युगीन कविता
   (2) प्रयोगवादी काव्य में शिल्प–चमत्कार
   (3) नये विषयों की खोज और नई कविता
   (4) आधुनिक काल के हिन्दी महाकाव्य

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com